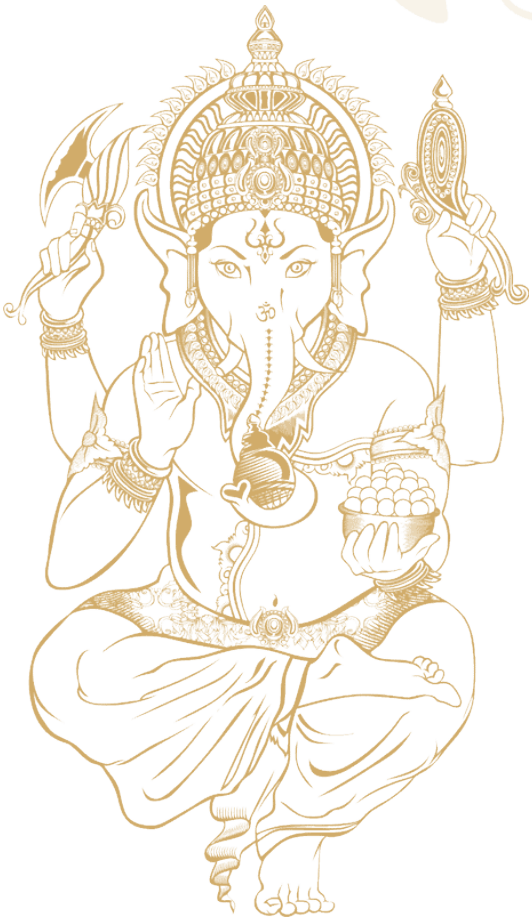

# Mr.shiv Kant Mishra

# Ms.surjani narjinari

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119730901

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119730901 Date: 11/10/2025

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 15/07/2065 | जन्म तिथि | 24/05/1989 |
| बुधवार | दिन | बुधवार |
| घंटे 10:38:00 | जन्म समय | 08:38:00 घंटे |
| घटी 13:20:57 | जन्म समय(घटी) | 08:39:27 घटी |
| India | देश | India |
| Jaunpur | स्थान | Gauhati |
| 25:44:00 उत्तर | अक्षांश | 26:10:00 उत्तर |
| 82:41:00 पूर्व | रेखांश | 91:45:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे 00:00:44 | स्थानिक संस्कार | 00:37:00 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 05:17:37 | सूर्योदय | 04:37:03 |
| 18:52:34 | सूर्यास्त | 18:06:48 |
| 24:46:37 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:42:39 |

| | | |
|---|---|---|
| कन्या | लग्न | कर्क |
| बुध | लग्न लग्नाधिपति | चन्द्र |
| वृश्चिक | राशि | धनु |
| मंगल | राशि-स्वामी | गुरु |
| ज्येष्ठा | नक्षत्र | पूर्वाषाढ़ा |
| बुध | नक्षत्र स्वामी | शुक्र |
| 3 | चरण | 2 |
| ब्रह्म | योग | शुभ |
| कौलव | करण | बव |
| यी-यीशू | जन्म नामाक्षर | धा-धारिणी |
| कर्क | सूर्य राशि(पाश्चात्य) | मिथुन |
| विप्र | वर्ण | क्षत्रिय |
| कीटक | वश्य | मानव |
| मृग | योनि | वानर |
| राक्षस | गण | मनुष्य |
| आद्य | नाड़ी | मध्य |
| मृग | वर्ग | सर्प |

**Narayan Jyotish Sanathan**
+919868145834
mishrashivkant@gmail.com

# ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

| विंशोत्तरी | | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बुध 6वर्ष 10मा 21दि | | 08:12:15 | कन्या | लग्न | कर्क | 05:07:56 | शुक्र 11वर्ष 9मा 11दि | |
| बुध | | 28:32:07 | मिथु | सूर्य | वृष | 09:13:20 | राहु | |
| 15/07/2065 | | 24:35:39 | वृश्चि | चंद्र | धनु | 18:48:42 | 05/03/2024 | |
| 05/06/2072 | | 26:52:35 | धनु व | मंगल | मिथु | 21:43:37 | 06/03/2042 | |
| | 00/00/0000 | 08:58:01 | कर्क व | बुध व | वृष | 08:52:06 | राहु | 16/11/2026 |
| | 00/00/0000 | 06:04:18 | तुला | गुरु | वृष | 21:02:29 | गुरु | 11/04/2029 |
| | 00/00/0000 | 19:25:43 | वृष | शुक्र | वृष | 22:05:17 | शनि | 16/02/2032 |
| | 00/00/0000 | 19:20:48 | कर्क | शनि व | धनु | 19:27:21 | बुध | 04/09/2034 |
| | 00/00/0000 | 02:27:24 | मक व | राहु व | कुंभ | 06:01:33 | केतु | 23/09/2035 |
| | 15/07/2065 | 02:27:24 | कर्क व | केतु व | सिंह | 06:01:33 | शुक्र | 23/09/2038 |
| राहु | 21/06/2067 | 02:36:12 | वृश्चि व | हर्ष व | धनु | 10:50:12 | सूर्य | 17/08/2039 |
| गुरु | 26/09/2069 | 05:39:00 | मिथु | नेप व | धनु | 18:15:43 | चन्द्र | 15/02/2041 |
| शनि | 05/06/2072 | 04:03:30 | मीन व | प्लूटो व | तुला | 19:32:39 | मंगल | 06/03/2042 |

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

**24:46:37 चित्रपक्षीय अयनांश 23:42:39**

## लग्न-चलित

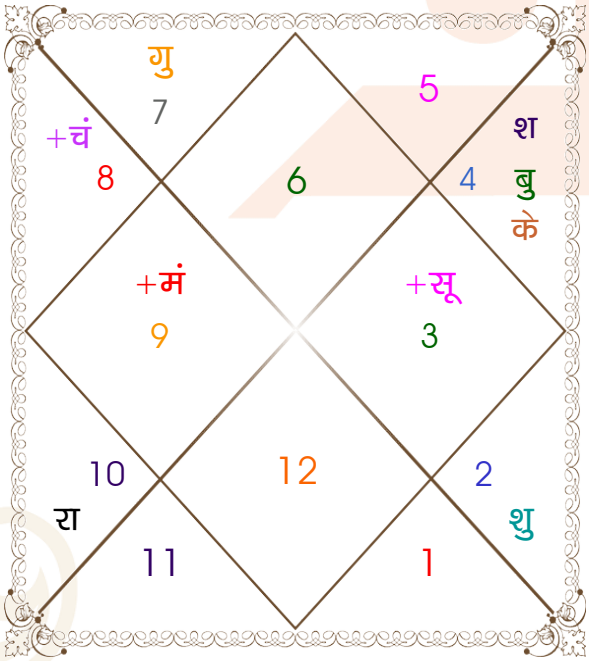


## लग्न-चलित

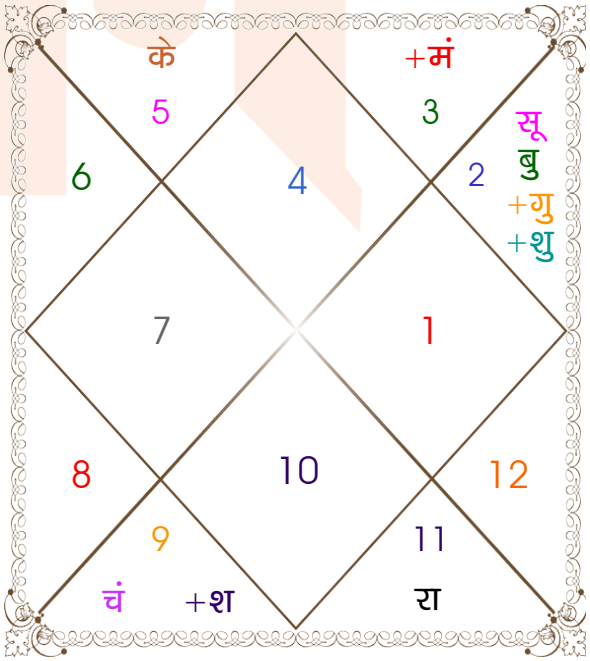



**Narayan Jyotish Sanathan**
+919868145834
mishrashivkant@gmail.com

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | विप्र | क्षत्रिय | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | कीटक | चतुष्पाद | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | मित्र | विपत | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | मृग | वानर | 4 | 2.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | मंगल | गुरु | 5 | 5.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | राक्षस | मनुष्य | 6 | 0.00 | हाँ | सामाजिकता |
| भकूट | वृश्चिक | धनु | 7 | 0.00 | हाँ | जीवन शैली |
| नाड़ी | आद्य | मध्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 18.50 | | |

कुल : **18.5 / 36**

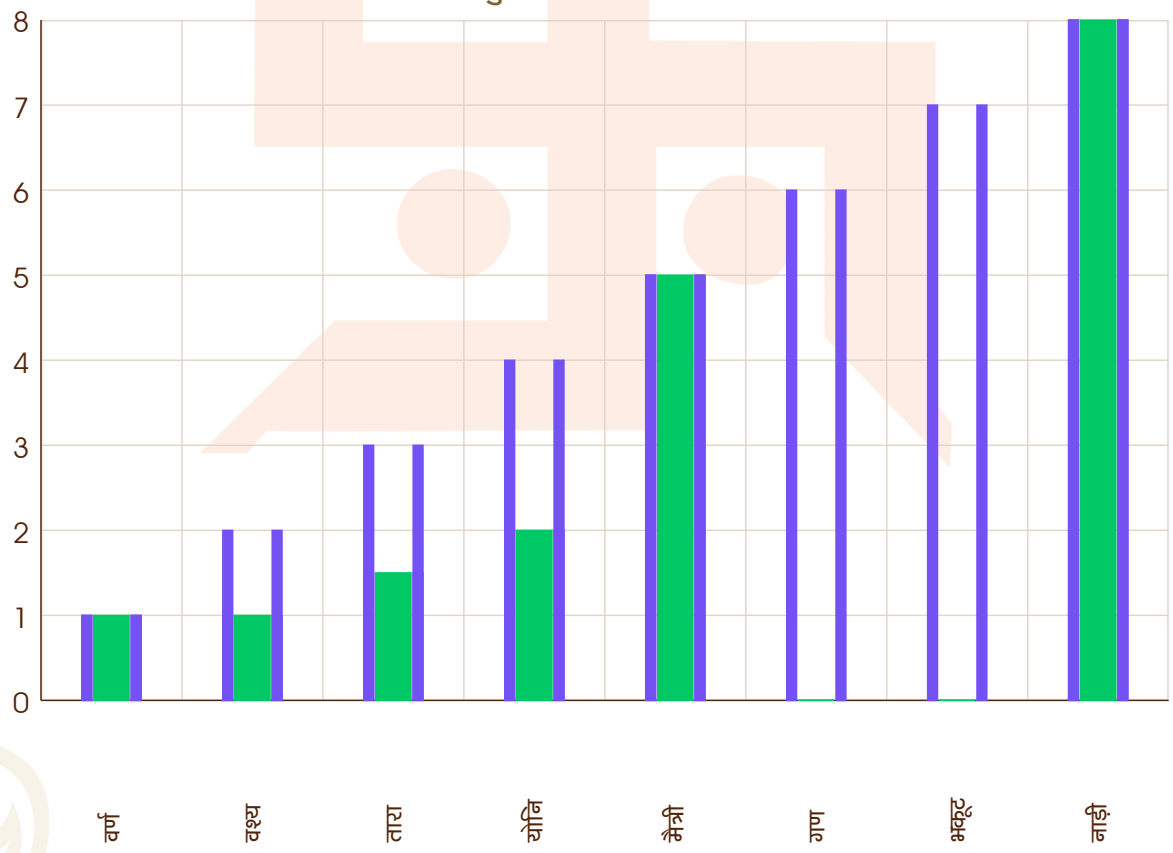



**Narayan Jyotish Sanathan**
+919868145834
mishrashivkant@gmail.com

# अष्टकूट मिलान

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतणेपअ ज्ञंदज डपीतं का वर्ग मृग है तथा Ms.surjani narjinari का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतणेपअ ज्ञंदज डपीतं और Ms.surjani narjinari का मिलान शुभ है।

## मंगलीक दोष मिलान

डतणेपअ ज्ञंदज डपीतं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

Ms.surjani narjinari मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

**व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।**
**द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।**

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.surjani narjinari कि कुण्डली में द्वादश भाव में मिथुन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms.surjani narjinari कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डतणेपअ ज्ञंदज डपीतं कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है

अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतणेपअ ङ्गंदज डपेीतं  तथा Ms.surjani narjinari में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

# अष्टकूट फलादेश

## वर्ण

डतणेपअ झंदज डपेीतं का वर्ण ब्राह्मण तथा Ms.surjani narjinari का वर्ण क्षत्रिय है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके प्रभाव से Ms.surjani narjinari में अपने पति के प्रति अगाध प्रेम, श्रद्धा एवं सम्मान की भावना रहेगी। कभी-कभी क्षत्रिय खून की गर्मी भी समय-समय पर उबाल मारने के कारण समय-समय पर Ms.surjani narjinari आक्रामक व्यवहार कर सकती हैं हालांकि उनका व्यवहार कभी भी अनियंत्रित नहीं होगा। Ms.surjani narjinari सदैव अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन भली-भांति करती रहेंगी तथा वे सदैव प्रशंसा की पात्र रहेंगी।

## वश्य

डतणेपअ झंदज डपेीतं का वश्य कीट है एवं Ms.surjani narjinari का वश्य चतुष्पद है। जिसके कारण यह मिलान औसत मिलान है। चतुष्पद एवं कीट दो भिन्न प्राणी हैं। किंतु दोनों का प्रकृति में सह-अस्तित्व है। दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग होते हुए भी दोनों एक-दूसरे के लिए घातक नहीं होंगे। इसी प्रकार, डतणेपअ झंदज डपेीतं चतुष्पद अर्थात् पशु एवं Ms.surjani narjinari कीट वश्य की होने के कारण दोनों के स्वभाव, व्यवहार, गुण, पसंद/नापसंद में अंतर होते हुए भी दोनों के बीच वैवाहिक संबंध सामान्य ही रहने की प्रबल संभावना है। दोनों का स्वभाव गंभीर एवं संकोची रहेगा तथा दोनों सौहार्दता एवं प्रेम से अपना जीवन यापन करते रहेंगे।साथ ही अपने-अपने कर्त्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे।

## तारा

डतणेपअ झंदज डपेीतं की तारा मित्र तथा Ms.surjani narjinari की तारा विपत है। Ms.surjani narjinari की तारा विपत होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। यह मिलान डतणेपअ झंदज डपेीतं एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्य एवं नुकसान का कारण बन सकता है। परन्तु कड़े एवं लगातार प्रयासों के बाद परिणाम सुखदायी हो सकता है। संभव है कि Ms.surjani narjinari का रुख सहयोगात्मक नहीं हो तथा आपसी विश्वास, प्रेम एवं समझ की कमी बनी रहे। अक्सर पति एवं पत्नी के बीच संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े रह सकते हैं तथा बच्चे भी इसका गलत फायदा उठायेंगे। जिसके कारण संभव है कि बच्चे योग्य एवं आज्ञाकारी नहीं हों।

## योनि

डतणेपअ झंदज डपेीतं की योनि मृग है तथा Ms.surjani narjinari की योनि वानर है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है।

साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

## मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में डतणेपअ झंदज डपीतं एवं Ms.surjani narjinari दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि डतणेपअ झंदज डपीतं एवं Ms.surjani narjinari के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण डतणेपअ झंदज डपीतं एवं Ms.surjani narjinari जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

## गण

डतणेपअ झंदज डपीतं का गण राक्षस है तथा Ms.surjani narjinari का गण मनुष्य है। अर्थात Ms.surjani narjinari का गण डतणेपअ झंदज डपीतं के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान रहेगा। ज्योतिषीय दृष्टि से यह संबंध अधिक दिनों तक नहीं रहने वाला होगा। दोनों के वैचारिक मतभेद परिवार के सदस्यों के जीवन को अशांत बना सकते हैं। ऐसा विवाह त्याज्य है।

## भकूट

डतणेपअ झंदज डपीतं से Ms.surjani narjinari की राशि द्वितीय भाव में स्थित है तथा Ms.surjani narjinari से डतणेपअ झंदज डपीतं की राशि द्वादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके कारण डतणेपअ झंदज डपीतं गुस्सैल एवं लड़ाकू

स्वभाव के हो सकते हैं। साथ ही शारीरिक रूप से कमजोर तथा अपव्ययी होंगे। Ms.surjani narjinari समझौतावादी, सौम्य एवं दयालु प्रवृत्ति की होंगी तथा अपने कर्त्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों को आसानी से बखूबी निभाती रहेंगी तथा बचत भी करती रहेगी। दूसरी ओर डतणेपअ झंदज डपेीतं शाहखर्च, लापरवाह एवं अय्याशी में पैसे बर्बाद करने वाले हो सकते हैं।

## नाड़ी

डतणेपअ झंदज डपेीतं की नाड़ी आद्य है तथा Ms.surjani narjinari की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का मिलान अति उत्तम माना जाता है क्योंकि इसमें जीवन के तीन आवश्यक घटकों में से दो वात एवं पित्त का समन्वय है। जीवन के अस्तित्व के लिए वात एवं पित्त का समन्वय आवश्यक है। जिसके कारण आपकी संतान काफी बुद्धिमान, स्वस्थ, मानसिक रूप से दृढ़ एवं सौभाग्यशाली होंगी। जो भौतिकवादी विश्व में सुविधा संपन्न जीवन जीने के लिए आवश्यक है।

# मेलापक फलित

## स्वभाव

डतणेपअ झंदज डपीतं की जन्म राशि जलतत्व युक्त वृश्चिक तथा Ms.surjani narjinari की अग्नितत्व युक्त धनु राशि है। जल एवं वायु की परस्पर नैसर्गिक विषमता के कारण डतणेपअ झंदज डपीतं और Ms.surjani narjinari की परस्पर स्वभावगत असमानताएं रहेंगी। इसके प्रभाव से आपसी संबधों में मधुरता नहीं होगी जिससे वैवाहिक जीवन अच्छा नहीं रहेगा।

डतणेपअ झंदज डपीतं की राशि का स्वामी मंगल तथा Ms.surjani narjinari की राशि का स्वामी बृहस्पति परस्पर मित्र राशियों में स्थित है। अतः इसके शुभ प्रभाव से उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता होगी तथा डतणेपअ झंदज डपीतं और Ms.surjani narjinari के मध्य मित्रता पूर्ण संबंध स्थापित होंगे फलतः एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे। साथ ही प्रेम सहानुभूति एवं सहयोग का भाव भी रहेगा तथा सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर होंगे। अतः दाम्पत्य संबंधों में प्रगाढ़ता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन में भी सुख शांति तथा समृद्धि बनी रहेगी।

डतणेपअ झंदज डपीतं एवं Ms.surjani narjinari की जन्म राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इसके भाव से परस्पर संबंधों में विरोध तथा वैमनस्य का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देकर आलोचनात्मक दृष्टि कोण अपनाएंगे। इससे डतणेपअ झंदज डपीतं और Ms.surjani narjinari के वैवाहिक जीवन में अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न होंगी। अतः यदि डतणेपअ झंदज डपीतं और Ms.surjani narjinari बुद्धिमता तथा सामंजस्य की प्रवृति से कार्य लें तो किंचित अशुभता में कमी आ सकती है।

डतणेपअ झंदज डपीतं का वश्य कीट एवं Ms.surjani narjinari का वश्य चतुष्पद है। कीट एवं वश्य में समानता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं समान होंगी। अतः दाम्पत्य संबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ होंगे।

डतणेपअ झंदज डपीतं का वर्ण ब्राह्मण तथा Ms.surjani narjinari का वर्ण क्षत्रिय है। अतः डतणेपअ झंदज डपीतं की प्रवृति शैक्षणिक एवं धार्मिक कार्य कलापों में रहेगी तथा Ms.surjani narjinari पराक्रमी तथा साहसी कार्यो को सम्पन्न करेंगी फलतः कार्य क्षेत्र की सुदृढ़ता बनी रहेगी।

## धन

तारा का डतणेपअ झंदज डपीतं और Ms.surjani narjinari की आर्थिक स्थिति पर कोई विशेष प्रभाव नहीं रहेगा क्योंकि इनकी तारा परस्पर सम है। डतणेपअ झंदज डपीतं एवं

Ms.surjani narjinari की राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती है जो एक भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से आर्थिक सुदृढ़ता में न्यूनता आ सकती है। साथ ही आर्थिक क्षेत्र में मंगल भी विशेष शुभ नहीं रहेगा फलतः भौतिक सुख संसाधनों तथा अन्य आवश्यक सुखों को ये परिश्रम पूर्वक अर्जित करने में ही समर्थ हो सकेंगे।

भकूट दोष के प्रभाव से Ms.surjani narjinari की प्रवृति अनावश्यक व्यय करने की होगी तथा मुक्त हाथों से वह व्यय करेंगी जिससे आर्थिक क्षेत्र में उतार चढ़ाव आएंगे। यदि Ms.surjani narjinari अपनी व्ययशील प्रवृति पर नियंत्रण कर सकी तो स्थिति नियंत्रण में रहेगी तथा जीवन में आनंद एवं सुख की प्राप्ति होगी।

## स्वास्थ्य

डतणेपअ झंदज डपीतं की नाड़ी आद्य तथा Ms.surjani narjinari की नाड़ी मध्य है। अतः इन पर नाड़ी दोष का कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से इनका स्वास्थ्य अच्छा ही रहेगा परन्तु मंगल का दोनों के ऊपर दुष्प्रभाव होगा जिससे दोनों धातु या गुप्त रोग संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही डतणेपअ झंदज डपीतं हृदय रोग संबधी परेशनियों से युक्त रहेंगे जिससे शारीरिक क्षीणता रहेगी तथा Ms.surjani narjinari को गर्भपात की संभावना होगी। मंगल के प्रभाव से डतणेपअ झंदज डपीतं के पुरूषत्व में न्यूनता आएगी तथा Ms.surjani narjinari भी उदासीनता का भाव प्रदर्शित करेंगी फलतः उनके दाम्पत्य सुख में भी न्यूनता का आभास होगा। अतः उपरोक्त दुष्प्रभावों में कमी करने के लिए डतणेपअ झंदज डपीतं और Ms.surjani narjinari को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास रखने चाहिए। साथ ही मूंगा धारण करना दोनों के लिए श्रेयष्कर रहेगा।

## संतान

संतति की दृष्टि से डतणेपअ झंदज डपीतं और Ms.surjani narjinari का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से डतणेपअ झंदज डपीतं और Ms.surjani narjinari को उचित समय पर संतति प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार से विलम्ब या व्यवधान नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उचित मात्रा में उनका पालन पोषण करने का अवसर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त डतणेपअ झंदज डपीतं और Ms.surjani narjinari के पुत्र एवं कन्याओं की संख्या बराबर रहेगी।

Ms.surjani narjinari का प्रसव सामान्य रूप से होगा तथा इसमें उन्हें किसी भी प्रकार से परेशानी या कष्ट का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही किसी प्रसूति संबधी चिकित्सा की भी आवश्यकता नहीं रहेगी। अतः Ms.surjani narjinari के मन में इसके प्रति जो अनावश्यक भय या चिन्ताएं रहती है उसको दूर कर देना चाहिए तथा नियमित रूप से गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण करवाने चाहिए। इस प्रकार Ms.surjani narjinari सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा स्वयं भी शांति तथा स्वस्थता की अनुभूति करेंगी।

बच्चों के द्वारा डतणेपअ झंदज डपीतं और Ms.surjani narjinari को पूर्ण सन्तुष्टि मिलेगी तथा अपनी योग्यता बुद्धिमता एवं व्यवहार कुशलता से वे अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त

करेंगे यद्यपि माता पिता के वे आज्ञाकारी रहेंगे तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथापि माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव तथा सम्मान का भाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा पालन करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इस प्रकार डतणेपअ झंदज डपेीतं और Ms.surjani narjinari का पारिवारिक जीवन सुख तथा शांति से पूर्ण रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

## ससुराल-सुश्री

Ms.surjani narjinari के अपनी ससुराल के लोगों से संबधों में वांछित मधुरता रहेगी परन्तु यदा कदा सास से कुछ मतभेद रहेगा जिससे उनके साथ सामंजस्य स्थापित करने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथापि यदि Ms.surjani narjinari धैर्य एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो सास की सहानुभूति प्राप्त हो सकती है।

ससुर देवर एवं ननदों से Ms.surjani narjinari के संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे वांछित स्नेह एवं सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। ससुर की सुख सविधा एवं आराम का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा वे भी उसकी सेवा भावना से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवर एवं ननद से भी Ms.surjani narjinari का व्यवहार मित्रता पूर्ण रहेगा तथा वे भी Ms.surjani narjinari से प्रसन्न रहेंगे। इस प्रकार वह ससुराल के लोगों से सामंजस्य स्थापित करके आनंदानुभूति प्राप्त करेंगी।

## ससुराल-श्री

डतणेपअ झंदज डपेीतं तथा उनकी सास के आपसी संबधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा कई मामलों में उनके मध्य काफी प्रबल मतभेद समय समय पर दृष्टि गोचर होंगे। अतः यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता के भाव का प्रदर्शन किया जाय तो इन मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा आपसी संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी जिससे स्नेह एवं सम्मान का भाव बना रहेगा।

लेकिन ससुर के साथ में डतणेपअ झंदज डपेीतं के संबध अच्छे रहेंगे तथा वह उन्हें अपने पिता की तरह मान सम्मान तथा सेवा का भाव प्रदान करेंगे। साथ ही समयानुसार वह डतणेपअ झंदज डपेीतं को अपनी ओर से बहुमूल्य तथा आवश्यक सलाह भी प्रदान करते रहेंगे एवं उन्हें अपने पुत्र के समान अपनत्व तथा स्नेह प्रदान करेंगे। साले एवं सालियों के साथ ही डतणेपअ झंदज डपेीतं के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे वांछित आदर सहयोग एवं सहानुभूति प्राप्त होती रहेगी। साथ ही उनसे सामंजस्य का भाव भी रहेगा। इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण डतणेपअ झंदज डपेीतं के प्रति अनुकूल ही रहेगा।